



एकांतवास से बाहर आए जगन्नाथ प्रभु, भाव-विभोर हुए भक्तगण...

मालपुआ का लगा भोग

रविवार शाम पांच बजे रस्सा बंधन के बाद निकलेगी रथ यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

रांची । भगवान जगन्नाथ 15 दिनों के एकांतवास के बाद शनिवार को नेत्रदान के बाद भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ बाहर आए तो भक्त भाव-विभोर हो उठे। वैदिक मंत्रोच्चारण व जय जगन्नाथ के जयघोष के बीच भक्तों ने प्रभु का भव्य स्वागत किया। भगवान का एकांतवास खत्म होने की खुशी में 108 दीपों से भगवान की मंगल आरती, जगन्नाथ अष्टकम, गीता के द्वादश अध्याय का पाठ और भगवान की स्तुति हुई। मालपुआ सहित अन्य मिष्ठानों का भोग लगाया गया। भगवान रात नौ बजे तक भक्तों को दर्शन मंडप में दर्शन देंगे। उसके बाद प्रभु जगन्नाथ आज यहीं रात्रि

विश्राम करेंगे। रांची में रविवार को रथ यात्रा है। दोपहर दो बजे के बाद भगवान जगन्नाथ, भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा को बारी-बारी से रथ पर बैठाया जाएगा। रथ पर ही भगवान के सभी विग्रहों का श्रृंगार होगा। इस दौरान विष्णु सहस्रनाम अर्चना और मंगल आरती होगी। मंगल आरती के बाद रथ में रस्सा बंधन होगा और शाम पांच बजे रथयात्रा शुरू होगी। सभी भक्त रथ की रस्सी खींचकर रथ को मौसीबाड़ी तक ले जाएंगे। मौसीबाड़ी में महिलाएं रथ पर भगवान की पूजा करेंगी। शाम सात बजे तक सभी विग्रहों को मौसीबाड़ी में रखा जायेगा। आरती और भोग निवेदन किया जायेगा। रात आठ बजे भगवान का पट बंद कर दिया जायेगा।



25 दिसंबर 1691 में बनकर तैयार हुआ जगन्नाथ स्वामी का मंदिर

रांची । बड़कागढ़ में नागवंशी राजा ठाकुर एनीनाथ शाहदेव अपने नौकर के साथ भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के लिए जगन्नाथपुरी गये थे। इस दौरान नौकर में ऐसी भक्ति जागी कि वह भगवान जगन्नाथ का परम भक्त बन गया और कई दिनों तक उनकी उपासना करता रहा। उपासना में लीन नौकर एक रात भूख से व्याकुल हो उठा, उसने ईश्वर से प्रार्थना की कि वह उसकी भूख मिटावें। भगवान ने भक्त की पुकार सुनी और अपनी भोग की थाली उसके सामने लाकर रख दी। नौकर

भगवान को पहचान नहीं पाया, उसने थाली से भोग खाया, फिर से सो गया। सुबह उठा, तो नौकर ने राजा को रात की पूरी कहानी सुनायी। कहते हैं कि उसी रात भगवान जगन्नाथ ठाकुर एनीनाथ शाहदेव के सपने में आये। भगवान ने राजा से कहा कि अपने घर लौटने के बाद वह उनके (भगवान जगन्नाथ के) विग्रह की स्थापना करें और उसकी पूजा-अर्चना शुरू करें। ठाकुर एनीनाथ जब वहां से लौटे, तो मंदिर के निर्माण की शुरूआत करवायी जो 25 दिसंबर 1691 में बनकर तैयार हुआ।

पीएम ने ईरान के राष्ट्रपति चुने जाने पर मसूद को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मसूद पेजेशकियन को इस्लामी गणराज्य ईरान का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, इस्लामी गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति चुने जाने पर मसूद पेजेशकियन को बधाई। हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे मधुर और दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने की आशा है।

अधिक से अधिक रोजगार सृजन के लिए हम प्रतिबद्ध

नवीन मेल संवाददाता

रांची । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में फेडरेशन आफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से आयोजित 'सृजन' स्टार्टअप कॉन्क्लेव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में जो भी उद्योग हैं और जो भी नए उद्योग आने वाले हैं, उसके प्रति सरकार की सकारात्मक सोच है। राज्य में ज्यादा से ज्यादा निवेश हो। अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हों। हमारी सरकार उद्योगों और उद्योग स्थापित करने वालों को पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने झारखंड चैम्बर से कहा कि झारखंड में कई ऐसे उद्योग हैं जो वर्षों पुराने हैं। उद्योगियों के पीढ़ी-दर-पीढ़ी यहाँ व्यवसाय कर रहे हैं। वे सभी झारखंड के बदलते स्वरूप को देखते आ रहे हैं। वे यहां की आर्थिक-सामाजिक और भौगोलिक स्थितियों से भली-भांति वाकिफ हैं। वे जितनी अच्छी तरह इस राज्य को समझ सकते हैं, दूसरे नहीं समझ सकते हैं। ऐसे में आपके साथ मिलकर राज्य का सर्वांगीण विकास करना हमारा उद्देश्य है।



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चैम्बर की सृजन स्टार्टअप कॉन्क्लेव में हुए शामिल

उद्योगों और उद्योग स्थापित करने वालों को सरकार का मिलेगा पूरा सहयोग

उद्योगों का लाभ पीढ़ी-दर-पीढ़ी मिल सके

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद देश के नीति-निर्धारकों ने इस राज्य की अहमियत को समझा था। इसी का नतीजा था कि हमारे राज्य में कई बड़े उद्योग स्थापित हुए। टाटा और बिड़ला जैसे कई उद्योग समूहों ने अपने उद्योग लगाए। इसी राज्य में कोल इंडिया की सबसे ज्यादा गतिविधियां संचालित हो रही है। देश की मशहूर हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचईसी) भी हमारे राज्य में स्थापित है लेकिन जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता गया और परिस्थितियों कुछ ऐसी बनती गई कि यहां के कई उद्योग-धंधे बंद हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन उद्योगों का विस्तार होना था, वे सिमटते गए। इस वजह से लोग बेरोजगार भी हुए लेकिन हमारी सरकार उद्योगों

की ऐसी बुनियाद डालना चाहती है, जिसका लाभ लोगों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी मिल सके। इसमें झारखंड चैम्बर का जो भी सुझाव होगा उस पर सकारात्मक अमल करते हुए सरकार पूरा सहयोग करेगी। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, विधायक रामेश्वर उरांव, पूर्व राज्यसभा सदस्य महेश पोद्दार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की सचिव विप्रा भाल, फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री, पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल, उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, सचिव परेश गटानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

शेष पेज 11 पर

संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा : किरन रिजिजू

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा। केंद्रीय बजट 2024-25 लोकसभा में 23 जुलाई को पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने बजट सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को 22 जुलाई से 12 अगस्त तक (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन) बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बजट, 2024-25 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया जाएगा।

चंपई सोरेन का छलका दर्द, बोले- सीएम के रूप में थोड़ा व समय मिलता तो कई काम करता

नवीन मेल संवाददाता

सरायकेला। झारखंड के सीएम पद से हटने पर चंपाई सोरेन का दर्द छलक पड़ा है। सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद पहली बार अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र सरायकेला पहुंचे चंपाई सोरेन ने कहा कि उन्हें थोड़ा और समय मिलता तो राज्य के विकास के लिए और भी बहुत कुछ करने की इच्छा थी। मीडिया से बात करते हुए चंपाई सोरेन ने कहा कि काम करने वाले व्यक्ति की सभी इच्छाएं कभी पूरी नहीं होतीं। मैंने सीएम के रूप में अच्छा काम करने का प्रयास किया। हमने सभी जाति,



समुदाय के लोगों के लिए कई तरह की योजनाएं लाईं। मैं कम समय में जितना काम कर पाया, उससे संतुष्ट हूँ। शिक्षक बहाली, पुलिस विभाग में भर्ती, जनजातीय भाषाओं पर आधारित शिक्षकों की भर्ती और मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य बीमा योजना जैसी कई जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की। शेष पेज 11 पर

ब्रिटेन के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने की पीएम मोदी के नेतृत्व कौशल की सराहना

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिटेन के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने शनिवार को प्रमुख वैश्विक चुनौतियों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का स्वागत किया, दोनों नेताओं ने ब्रिटेन के आम चुनाव के नतीजे के बाद शनिवार को फोन पर बात की। ब्रिटिश पीएम कार्यालय की तरफ से जारी एक एक बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री ने फोन कॉल पर कहा कि

वह दोनों देशों के बीच मजबूत और सम्मानजनक संबंधों को और बेहतर करने के लिए तत्पर हैं। जलवायु परिवर्तन और आर्थिक विकास जैसी प्रमुख वैश्विक चुनौतियों पर प्रधानमंत्री मोदी के पहल और नेतृत्व का स्वागत करते हैं। इसमें उल्लेख न किया गया है कि दोनों नेताओं ने यूके और भारत के बीच लिविंग ब्रिज, 2030 रोडमैप के महत्व पर चर्चा की और इस बात पर सहमति व्यक्त की कि दोनों देशों के लिए

रक्षा और सुरक्षा, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला है जिस पर दोनों देश सहयोग बेहतर करेंगे। स्टार्मर के कार्यालय ने कहा, मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एक ऐसा समझौता करने के लिए तैयार हैं जो दोनों देशों के लिए समान रूप से काम करेगा। शेष पेज 11 पर

इंडिया परिवार ढूंढ़ता पश्चिम और खोते हुए हम

भारत की विशेषता इसकी परंपराएं हैं जहां कहा जाता है अयं निज:परोवेत्ति गणना लघुचेतसाम।उदारचरितानाम तु वसुधैवकुटुम्बकम्।।अर्थात्-यह मेरा है ,यह परया है इस प्रकार की गणना लघु चेतना वाले लोग करते हैं। उदार चरित्र वाले मनुष्यों के लिए तो पूरी पृथ्वी ही कुटुम्ब अर्थात् परिवार है।पर पश्चिमी देशों के एकल परिवार की अवधारणा के विपरीत एक अच्छी खबर आई स्वीडन में दादा-दादी और नाना-नानी को पोते-पोतियों, नाती-नातियों की देखभाल करने के लिए बच्चे के जन्म के पहले साल में तीन महीने की ससैनिक छुट्टी मिलेगी। स्वीडन दुनिया का पहला देश है, जिसने पचास साल पहले माता-पिता बनने पर न केवल माताओं को, बल्कि पिताओं के लिए भी अवकाश देने की घोषणा की थी। यहां बच्चे के जन्म पर सोलह महीने या

चार सौ अस्सी दिन के अवकाश लाभ दिए जाते हैं।जहां अमेरिका और यूरोप में लोग इस बात पर आश्चर्य करते हैं कि भारत से दादा-दादी, नाना-नानी बारी-बारी से अपने नाती-नातियों, पोते-पोतियों की देखभाल करने के लिए छह-छह महीने के लिए वहां जाते रहते हैं। पश्चिम इन दिनों परिवार के संपूर्ण बिखराव से परेशान है। वहां बहुत से युवा, जिनमें लड़के-लड़कियां, दोनों शामिल हैं, विवाह नहीं करना चाहते। विवाह हो भी जाए, तो वे बच्चों को जन्म देना नहीं चाहते। बच्चे पालना उन्हें भारी जिम्मेदारी और अपनी आजादी में व्यवधान की तरह लगता है। यूरोप में ऐसे अनेक लोग हैं जो या तो अकेले रहते हैं या उनके बच्चे नहीं हैं। बच्चों का शौक पूरा करने के लिए वे कई सारे कुत्ते-बिल्लियां पालते हैं। सुबह-शाम उन्हें घुमाने ले जाते हैं। उनके



स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। उन्हें अच्छा भोजन देते हैं। इन जानवरों को पालने में भी लगभग उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी बच्चों को पालने में। कुछ प्रगतिशील लोगों ने पिछली एक सदी से परिवार नामक संस्था की इतनी बुराई की है कि युवाओं को परिवार बसाना-बढ़ाना अपने जीवन की सबसे बड़ी मुसीबत लगता है। माता-पिता से तो वे बहुत जल्दी ही अलग हो जाते हैं। उनसे वे किसी पर्व-त्योहार या ऐसे ही किसी अवसर पर मिलते हैं। बहुतेरे तो उनके बीमार होने पर मृत्यु में भी उनकी कोई सुध नहीं लेते।वे भारत के पारिवारिक ढांचे को आश्चर्य से देखते हैं, लेकिन खुद पारिवारिक बंधनों से दूर भागते हैं। हालांकि हमारे यहां भी दशकों से एकल परिवार को किसी वरदान की तरह देखा जा रहा है। अक्सर बुजुर्ग शिकायत करते हैं कि

उन्होंने अपनी पूरी उम्र और जमा-पूँजी अपने बच्चों को पालने, उनकी देखभाल करने और शिक्षा पर खर्च कर दी। मगर अब बच्चे उनसे मिलना तो दूर, एक फोन करने तक की जरूरत महसूस नहीं करते।माता-पिता की मृत्यु हो जाती है, तो विदेशों में रहने वाले बच्चे पड़ोसियों से कहते हैं कि अंतिम संस्कार आप ही कर दीजिए। हमें अपना अकाउंट नंबर दे दीजिए। पैसे ट्रांसफर कर देंगे। पश्चिम के लोग परिवार की वापसी के नारे लगा रहे हैं। वे एकल परिवारों की मुसीबतों से परेशान हैं। नष्ट किया, उनके रहते परिवार की वापसी मुश्किल ही दिखती है। व्यक्तिवाद के चलते मनुष्य कितना स्वार्थी और आत्मकेंद्रित हो जाता है, पश्चिम के समाज उसके ज्वलंत उदाहरण हैं।किसी डे केयर सेंटर में बच्चे पालने से बच्चों को वैसी देखभाल नहीं

मिलती, जो दादा-दादी या नाना-नानी के रहते होती है। सहायिकाओं के भरोसे भी बच्चों की उचित देखभाल की गारंटी नहीं दी जा सकती। इसके अलावा, जब युवाओं को यह बताया जाएगा कि परिवार तुम्हारे करियर में सबसे बड़ा रोड़ा है, तो वे भला परिवार क्यों बसाएंगे। स्वीडन का कानून बता रहा है कि अगली पीढ़ी की बेहतरी के लिए पुरानी पीढ़ी का होना और बच्चों को उनका स्नेह मिलना कितना जरूरी है। दादा-दादी या नाना-नानी के सान्निध्य में बच्चों की परवरिश से बहुत से नुकसान बचते हैं। अपने यहां आजादी के नाम पर हम जिस परिवार के बिखराव का जश्न मना रहे हैं, उस बारे में भी सोचने की जरूरत है। दुनिया में कहीं भी सिर्फ अपने अकेले के भरोसे न जीवन जिया जा सकता है, न चुनौतियों से मुकाबला ही संभव है।

माओवादियों का मंसूबा विफल गुमला में विस्फोट से पहले 35 आईईडी किये बरामद

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड के गुमला जिले में स्थानीय लोगों की सक्रियता से पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने माओवादियों के खतरनाक मंसूबे को विफल करते हुए गुमला जिले के सुदूरवर्ती गुमला कुरुमगढ़ सीमावर्ती क्षेत्र में निर्माणधीन सड़क और एक अन्य स्थान पर विस्फोट करने के इरादे से लगाए गए 35 आईईडी बरामद किए हैं। बम निरोधक दस्ते ने शुक्रवार को पांच केन बम को सड़क खोदकर निकाला और निष्क्रिय कर दिया। इसके अलावा हरिनाखाड़ इलाके से करीब 30 आईईडी बरामद किए गए हैं। इनको शनिवार को बम निरोधक दस्ते ने निष्क्रिय कर दिया।



बम करीब 200 फीट की दूरी तक सड़क के बीच बिछाया हुआ था। बम को निष्क्रिय करने के दौरान गांव के आसपास का इलाका धमाकों से गुंज उठा। इस रास्ते पर आम लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गयी है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए लगातार छानबीन कर रही है। एसपी शंभु कुमार सिंह ने शनिवार बताया कि गुमला इलाका नक्सल प्रभावित है। शेष पेज 11 पर

नेपाल में पवित्र गढबन्धन



प्रो. श्याम सुंदर भाटिया

शेरबहादुर देउवा और केपी शर्मा ओली का नया गठबंधन अब सत्ताच्छेद होने की तैयारी में है। प्रचंड सरकार में शामिल सीपीएम-यूएमएल के अठ मंत्रियों ने इस्तीफा देकर अपनी मंशा साफ कर दी है, वे अब इस सरकार का संवैधानिक हिस्सा नहीं हैं। इससे पूर्व नेपाली काँग्रेस के मुखिया शेर बहादुर देउवा और सीपीएम-यूएमएल के सुप्रियो केपी शर्मा ओली ने मिलकर नेपाल में बारी-बारी से सरकार बनाने का फैसला लिया है। ओली गुट के वजीरों के साप्ताहिक त्यागपत्र के बाद नेपाल में 2022 से काबिज प्रचंड की सरकार अलविदा होने की स्थिति में है। नेपाल में नया गठबंधन बस काबिज होगा, भारत समेत पूरी दुनिया की नजर इस पर रहेगी। यह राजनीति बलवान चंद घंटों या चंद दिनों में संभव है, क्योंकि प्रचंड प्रचंड प्रचंड का साफ कानका है, वह इस्तीफा नहीं देंगे, जबकि प्रचंड गुट के मुताबिक प्रचंड सरकार विस्थापन मत का सामना करेगी। नेपाली संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, नेपाली संसद में बहुमत होने वाले प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत सिद्ध करना होता है। नेपाली संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार तत्कालीन राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने 25 दिसंबर 2022 को सीपीएम-प्रधानमंत्री सित्त के मुखिया पुष्प कमल दहल प्रचंड को म्यामावानी नैतिक किया। प्रचंड ने 26 दिसंबर को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यह महज संयोग था या इसके भी कुछ सियासी मायने हैं, वह सियासी टीकाकारों के मूल्यवान् का विषय है। इस दिन अधुनिक चीन के संस्थापक माओत्से तुंग की 130वीं जयंती थी। चीन ने प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने पर सबसे पहले न केवल सूची का इशारा किया, बल्कि लंबे समय से जारी सीमा विवाद को निपटारकर उन्हें रिटर्न गिफ्ट भी दे दिया। संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता के तौर पर उभरे प्रचंड को इस पद पर गंभीर दायित्व नहीं माना जा रहा था। संसद में चुनाव में नेपाली कांग्रेस 89 सीटों पर कब्जा करके सबसे बड़ी पार्टी बन गई। नेपाल में 276 सीटों वाले सदन में बहुमत के लिए 138 सीटें हासिल करना अनिवार्य है। सीपीएम-यूएमएल के खते में 78 सीटें आईं, जबकि प्रचंड के पार्टी को महज 32 सीटों पर ही सफलता मिली। केवल 32 सीट जीतने के बावजूद प्रचंड गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री के पद पर काबिज हो गए। प्रचंड को नेपाल के सबसे बड़े विजयी दल- नेपाली कांग्रेस का साथ मिल गया। यह संभव लक्ष्य-अंततः 15 मार्च 2022 को टूट गया। सियासत के चतुर खिलाड़ी प्रचंड ओली की पार्टी के बूटे सरकार बचाने में सफल रहे। करीब-करीब दो साल में यह तीसरी बार सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक आई सरकार में डेढ़ साल तक केपी शर्मा ओली पीएम बनेंगे, जबकि बूटे हुए कार्यकाल पर शेर बहादुर देउवा प्रधानमंत्री बनेंगे। पेंडुलम की मानिंद नेपाली सियासी संदर्भ में यह न मानने वाले प्रधानमंत्री प्रचंड अंत तक सरकार बचाने की जुगत में रहे। उन्होंने इस सियासी संक्रमण काल से उभरने के लिए पहली जुलाई को आपात बैकट बुलाई, लेकिन राजनीतिक हलकों को थापते हुए, अंतिम क्षणों में इस बैकट को निरस्त कर दिया। अंततः गठबंधन सरकार को बचाने की सारी कवायद फिल्ल हो गई। इस्तीफा न देने पर अंत हताश एंव निराश प्रचंड को नेपाली कांग्रेस के प्रकाश दाई प्रकाश शरण सलाह देते हैं, बदलते सियासी परिदृश्य के चलते अल्पमत में आई प्रचंड सरकार को खुद इस्तीफा दे कर हल करनी चाहिए, ताकि नेपाल में नए गठबंधन की सरकार स्थापित हो सके। नेपाल में यू.टो संसदीय लोकतंत्र का शंखनाद 1951 में हो गया था, लेकिन इसे नेपाली राजशाही ने 1960 और 2005 में निलंबित कर दिया। 2008 में धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की स्थापना के साथ ही दुनिया की अंतिम राजशाही का अंत हो गया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

भारतीय कूटनीति नजरिए से कितना अहम है ब्रिटेन का सत्ता परिवर्तन

ब्रिटेन में बेशक कड़ाके की ठंड पड़ रही हो,



डॉ. रमेश
ठाकुर

सपना तब किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेनवासियों ने एकतर्फा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली लेबर पार्टी ने ब्रिटेन के सिपायी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले। रिजर्व बैंक की सलाह पर प्रमुख की स्टाम्प फूल नहीं समा रहे। आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है वह है प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेन की नेशनल सेमेंटल में अभी तब वह नतीजे प्रेषण की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया। चुनावी समर में उन्होंने जतना सोच रखा जो अभी वादे किए, उन्हें देश के मतदाताओं ने सिर जमीन पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर बचसपास किया। फिलहाल उन सभी वादों को खारिज करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खूब पुर पउमीद है कि चुनौतियों का सामना करने में भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हारण नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका अहंछनी नहीं है, पूजा-अर्चना करण, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करण, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा नाना ज्ञात था। शायद ऐसा करण उनके लिए

नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्होंने भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेकर पार्टी को वोट किया। भारतीयों के ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधानमंत्री सुनक सुनक बेशक अनुमान संश्लेषी नॉर्थलेटरलैंड सीट से जीते हैं। पर, बहुत कम अंतर से? उनकी समूची पार्टी पूरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरुआती रङ्गानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे। ताज्जुब वाली बात ये है कि नॉर्थलेटरलैंड वह क्षेत्र है, जहाँ सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बाकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों



को जुटना होता हैं। ऐसे मौकों पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग और समर्थक भी उनसे छिटक गए। ऋषि के ज्यादातर मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कइयों की तो जमानत भी जबरन हुई हैं। ब्रिटेन और भारत के मौजूदा चुनाव ने एक बात यह बता दी है कि मतदाताओं के मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं। कोई नेता या दल इस मुगालते में न रहे कि फला समुदायक या मतदाता उनका है। बहरहाल, ब्रिटेन में चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेबर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। नतीजों को लेबर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे, दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पर के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी

लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पर के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी मुद्दे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें चरमवादी कोरेना ने व्यवस्थाओं का चरमराना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ़ नीचे खिसक जाना। इन दोनों मुद्दों को लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैम्पेन बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अनेकसी करने का मुद्दा भी चुनाव में खूब उछला।

कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक चिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें पहला कोरोना में व्यवस्थाओं का चरमनाश, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसका चुना। इन दोनों मुद्दों के लेकर पार्टी ने अपना चुनावी कैम्प बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अन्दरेखी करने का मुद्दा भी चुनाव में खूब उछला। ब्रिटेन की एक नई हुकूमत के साथ हमारा संबंध कैसे होगा? इस सवाल के अलावा बुद्धिमान सवाल यह भी है कि आखिर भारतीयों का सुनक के प्रति मोहभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारतीय सवाल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर गहरा होता था। पर, जब वॉटिंग का समय आया, तो ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोजनल एंगल की जगह बदलने के लिए मतदान किया। दरअसल इसे कंवेन्टिव पार्टी के नेतृत्व वाला सरकार के रही है। सवाल के शासन से उजड़ी निराशा मानी जा रही है। वैसे, दिन लेने की जरूरत इसलिए भी नहीं है, राजनीति में हार-जीत को

बड़ी बात नहीं। बदलाव होते रहते हैं और होना भी चाहिए। किसी एक व्यक्ति या दल के पारसत्ता की चाबी ज्यादा समय तक जनता रखना भी नहीं चाहती। हमारे यहाँ संपन्न लोकमत चुनाव में भी दुनिया में चमत्कारी बदलाव देखें। हालाँकि, प्रधामंत्री ऋषि सुनक ने हार स्वीकार करते हुए लंदन वासियों से माफी मांगते हुए लेबर पार्टी के नेता की स्टार्मर की दिल खोलकर बधाई दी है। राजनीतिक लोगों में ऐसे नैतिकता हमेशा रहनी चाहिए। लेबर पार्टी की यह जीत उम्मीदों को सच करने वाली, अभिलाषाओं को जीवित करने वाली और नए इतिहास और संविधान को स्थापित करने वाली है। नई सरकार पर उम्मीदों का पहाड़ है। चरमपंथ अर्थव्यवस्था को फिर से शुरू पर लाने की चुनौती के अलावा विभिन्न देशों के साथ संबंध सुधारने की पंथी भी है। लेबर पार्टी को सरकार को नए किसम के आतंकवाद से निपटना, अमेरिका की बिना वजन रखलदांजी को रोकना, ऊँस खोतों को स्थानीय स्तर पर खोजना, जैस और प्राकृतिक संसाधनों का उत्सर्जन करना, यूक्रेन-रूस युद्ध के बाबत विवाद कई मुलकों से संबंधों को फिर से नई धारा देना भी होगा। भारत के साथ मधुर हुए संबंधों को यथावत रखना किसी चुनावी से कम पहर होगा। हालाँकि स्टॉर्मर ने अपने पहले विजयवाषण में सिर्फ अपने मुल्यवासायों को संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि 'मैं आपकी आवाज बनूँगा, आपका साथ दूँगा, हर दिन आपके लिए लड़ूँगा। उनके कहे उन शब्दों पर जनता ने खुद तालियाँ बजाई हैं। लंदन का एक तिहाई समर्थन उनके पक्ष में है। इस जनादेश और जनसमर्थन को संरक्षण भी कतिन परीक्षा जैसा रहेगा। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

विश्वास थे। भारतीय जनता का एक हिस्सा इस्लाम व ईसाईयत को भी धर्म कहता है। लेकिन हिन्दू धर्म ईसाईयत या इस्लामी पंथिक विश्वास जैसा नहीं है। ईसाईयत और इस्लाम में एक ईश्वर, एक देवदूत या पैगम्बर और एक पवित्र पुस्तक के प्रति विश्वास की धारणा है। हिन्दू धर्म किसी एक पवित्र पुस्तक या देवदूत से बंधा नहीं है। कुछ विद्वान भारत में सभी धर्मों में समन्वय की बातें करते हैं, ये इस्लाम और ईसाईयत को भी धर्म कहते हैं। सच यह नहीं है। पंथ, मत, मजहब और रिलीजन अनेक हैं। धर्म भी है। इसे समानता धर्म भी कहते हैं। इसे वैदिक धर्म भी कहते हैं। भारत में धर्म और धार्मिक विकास की यात्रा मजेदार है। यहां दर्शन और वैज्ञानिक विकास का जन्म पहले हुआ और धर्म संहिता का विकास बाद में। जिसासा और प्रश्नाकुलता हिन्दू दर्शन की विशेषता है। यहां साधारण हिन्दू भी आस्था पर प्रश्न करते हैं और संवाद भी। प्रश्नाकुलता और उदारता हिन्दू समाज की बड़ी पूंजी है। सबके प्रति बंधुभाव हिन्दू की प्रकृति है। ऐसा उदार हिन्दू समाज हिंसक नहीं हो सकता। हिन्दू विचार में प्रकृति शाश्वत है। प्राकृतिक नियम शाश्वत होते हैं। प्रकृति सुंदर है। आनंदरस से भरी पूरी है। वह सत्य है। शिव है। कल्याणकारी है। इसी शिव और सुंदर का संबर्धन हम सबका कर्तव्य है। यह प्रतिपाल सुजशील है। नया आता है। अरुण होता है। तरुण होता है। गृह नवग्रह सुनिश्चत नियम में गतिशील रहते हैं। प्रकृति के साधारण प्रच्यों में हिंसा नहीं है। वैदिक पूज्यों ने प्रकृति के संचिधान को 'ऋत' कहा है। ऋत वैवाहिक अनुभूति है और हिन्दू प्रतीति है। हिन्दू दृष्टि में प्रकृति की शक्तियां उपास्य हैं। इन्द्र, अग्नि, वरुण, पर्जन्य, मरुत, रुद्र आदि अनेक वैदिक देवता हैं। पृथु देवता प्राकृतिक नियमों के संरक्षक-ऋतावत हैं। हिन्दू विश्वास में देवता भी नियम पालन करते हैं। मरुत वायुदेव भी नियमानुसार गतिशील ऋतजाता हैं। हिन्दू आस्तिकता में किसी भी शक्तिशाली मनुष्य या देवता को नियम पालन न करने की छूट नहीं है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

वागीची, पाणिजात माझिंगर इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं.: **BIHHIN/1999/155**, संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड्मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com * (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

जिम्बाब्वे ने भारत को 13 रनों से हराया, चतारा ने किया टीम इंडिया को चित्त

एजेंसी। हरारे

भारतीय क्रिकेट टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में करारा झटका लगा है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में हुए इस मैच में जिम्बाब्वे ने भारत को 13 रनों से हरा दिया है। इस मैच में जिम्बाब्वे की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 115 रन बनाए, इसके जवाब में भारतीय टीम 19.5 ओवर में 102 रन बनाकर आउट हो गई। मैच में शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और भारतीय स्पिनरों ने शानदार प्रदर्शन किया।

रवि बिश्नोई ने चार ओवर में 13 रन देकर 4 विकेट लिए और वाशिंगटन सुंदर ने चार ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। जिम्बाब्वे की ओर से बल्लेबाजी में ओपनर वेसली मधेवेरे ने 22 गेंदों पर 21, ब्रायन बेनेट ने 15 गेंदों पर 23 रन, डायोन मायर्स ने 22 गेंदों पर 23 रनों की पारी खेली। लेकिन



अंत में यह विकेटकीपर क्लाइव मर्दोदे थे, जिन्होंने अंत तक मोर्चा संभाल कर जिम्बाब्वे का स्कोर 100 के पार किया और 25 गेंदों पर 29 रन बनाकर अंत

तक नाबाद रहे। ये पारी मैच के अंत में निर्णायक साबित हुई। 116 रनों के टारगेट के जवाब में भारतीय बल्लेबाजों की शुरुआत काफी खराब रही और

अपना पहला मैच खेल रहे अभिषेक शर्मा बगैर खाता खोले ब्रायन बेनेट की गेंद पर आउट हो गए। तीसरे नंबर पर आए उप-कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी 9 गेंदों पर 7 रन बनाकर ब्लेसिंग मुजारबानी की गेंद पर इनोसेंट काइया को कैच थमा बैठे। इसके बाद एक और डेब्यूटेंट खिलाड़ी रियान परग को आउट चतारा ने 2 रनों के स्कोर पर चलाता कर दिया। चतारा ने उसी ओवर में रिकु सिंह को बिना खाता खोले बेनेट के हाथों कैच आउट कराकर भारतीय टीम के ऊपरी मध्यक्रम को हिलाकर रख दिया। इसी बीच एक छोर पर कप्तान शुभमन गिल डटे हुए थे, लेकिन ध्रुव जुरेल के रूप में भारत का तीसरा डेब्यूटेंट खिलाड़ी भी फिफल हो गया। ध्रुव को 7 रनों के स्कोर पर ल्यूक जॉंगे ने आउट कर दिया। इसके बाद जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा की फिरकी का जादू देखने के लिए मिला, जिन्होंने 29 गेंदों पर 31 रन बनाकर खेल रहे शुभमन गिल को बोलड करके भारत की सबसे

बड़ी उम्मीद ध्वस्त कर दी। रजा ने रवि बिश्नोई को भी 9 रनों के स्कोर पर पगबाधा कर दिया। इसी बीच आवेश खान और वाशिंगटन सुंदर के बीच एक छोटी साझेदारी देखने के लिए मिली। आवेश ने 12 गेंदों पर 16 रनों की पारी खेली और उनको वेलिंग्टन मसाकादजा ने आउट किया। इसके अगले ही ओवर में सिकंदर रजा ने मुकेश कुमार को बगैर खाता खोले आउट कर दिया। वाशिंगटन सुंदर ने अंतिम ओवर तक टिककर भारतीय उम्मीदों को जिंदा रखा था, लेकिन चतारा ने उनको 27 रनों के स्कोर पर आउट करके भारतीय पारी को चित्त कर दिया। सुंदर ने 34 गेंदों पर 27 रनों की पारी खेली। जिम्बाब्वे की ओर से तेदई चतारा ने 3.5 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए 16 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। सिकंदर रजा ने 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए। ब्रायन बेनेट, वेलिंग्टन मसाकादजा, ब्लेसिंग मुजारबानी और ल्यूक जॉंगे ने एक-एक विकेट लिया।

एक नजर

गॉफ ने कार्टल को हराया, राडुकानू सकारी को हराकर चौथे दौर में

लंदन। दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ ने खचाखच भरे नंबर 1 कोर्ट पर ब्रिटिश क्वालीफायर सोने कार्टल को सीधे सेटों में 6-4, 6-0 से हरा दिया, जबकि पूर्व यूएस ओपन विजेता और वाइल्ड कार्ड एम्मा राडुकानू नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सकारी को हराकर शुक्रवार को यहां विंबलडन में महिला एकल के चौथे दौर में पहुंच गईं।

प्रियांशु राजावत कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। फॉर्म में चल रहे भारत के प्रियांशु राजावत ने विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एन्टसन को तीन गैमों तक चले क्वार्टरफाइनल मुकाबले में 21-11, 17-21, 21-19 से हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कैलगरी में खेले गए इस मुकाबले को प्रियांशु ने एक घंटे 19 मिनट में जीता। इससे पहले, उन्होंने सेमीफाइनल की राह में राउंड ऑफ 32 में डेनमार्क के वर्ल्ड नंबर 24 रासमस गेमेक और अंतिम-16 में वर्ल्ड नंबर 33 ताकुमा ओबवाशी को हराया था।

नवीन खेल संवाददाता।

आर्लिंगटन

कनाडा ने इतिहास रचते हुए कोपा अमेरिका टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में वेनेजुएला को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली है। एटीएंडटी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले नियमित समय तक दोनों टीमों के 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद कनाडा ने पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत हासिल की। खेल के 13वें मिनट में जैकब शैफेलबर्ग ने कनाडा को बढ़त दिला दी। टीम के पास अपनी बढ़त को और बढ़ाने के कई मौके थे लेकिन वह फिर से प्रतिद्वंद्वी के डिफेंस



को तोड़ने में सक्षम नहीं हो पाई। कनाडा ने अपराजित वेनेजुएला टीम के खिलाफ तब तक अपनी पकड़ बनाए रखी जब तक कि सॉलोमन रॉडन, फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी ने 40 गज की दूरी से जबरदस्त चिप लगाई और गोलकीपर को परास्त कर 64वें

मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। उन्होंने टूर्नामेंट का अपना तीसरा गोल स्कोर किया। पूर्ण समय की सीटी 1-1 पर बजने से मैच सीधे पेनल्टी शूट आउट में चला गया क्योंकि टूर्नामेंट के इस चरण में अतिरिक्त समय नहीं खेला जाता है। पेनल्टी शूटआउट देखा

गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा की मां ने कहा

पीएम मोदी को इस बार खास चूरमा खिलाएंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक 2024 के आयोजन में अब कुछ ही दिन बचे हैं। यह 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा, इसके लिए 120 सदस्यीय भारतीय दल रवाना हो रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा समेत सभी एथलीटों से मुलाकात की। पीएम मोदी ने पेरिस ओलंपिक के लिए सभी



खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। इस बार ओलंपिक में भारतीय दल का नेतृत्व करने जा रहे नीरज चोपड़ा से उन्होंने खाने की खास डिमांड भी की। पीएम मोदी ने गोल्डन ब्रॉय नीरज चोपड़ा से

उनकी मां के हाथों से बना चूरमा खाने के लिए कहा। नीरज ने ओलंपिक से लौटकर पीएम मोदी को मां के हाथ का बना खास चूरमा खिलाने का वादा किया। पीएम मोदी से मुलाकात पर नीरज चोपड़ा की मां ने खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि परमात्मा ने अगर चाहा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देशी घी और शक्कर से बना खास चूरमा खिलाएंगे।



व्यापार/लाइफ व साइंस



मई में भारत में

बिजली उत्पादन

15 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। भारत में बिजली उत्पादन इस साल मई में 15.06 प्रतिशत बढ़कर 167.55 अरब यूनिट्स हो गया, जो कि पिछले साल समान अवधि में 145.61 अरब यूनिट्स पर था। सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऑथोरिटी की ओर से मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

थर्मल पावर, जो कि कोयला और गैस आधारित प्लांट्स में बनाई जाती है। मई में इन प्लांट्स में 127.87 अरब यूनिट्स की बिजली पैदा की गई। इसमें पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 14.67 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उत्तर भारत में हीट वेब के कारण बिजली की मांग 30 मई को 250 गीगावट के आंकड़े को छू गई थी।

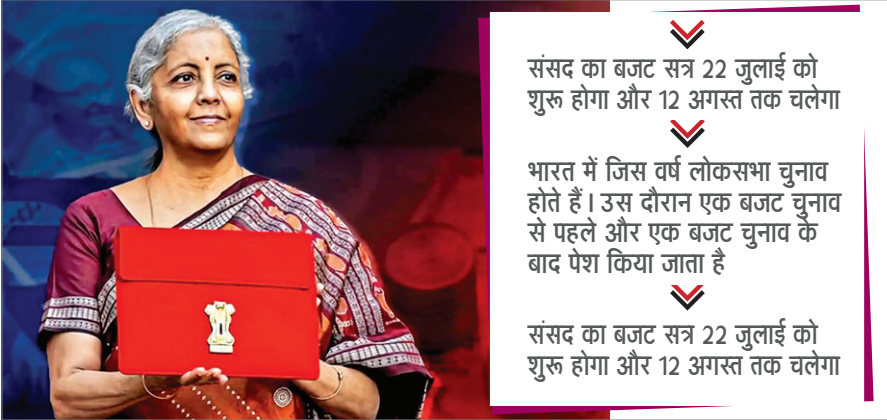
पेरिस ओलंपिक से पहले हैसमैन में यूपीआई से कर सकेगे भुगतान

नई दिल्ली। एफिल टॉवर पर ऑनलाइन टिकट बुकिंग के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के सफल कार्यान्वयन के बाद अब नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की अंतरराष्ट्रीय शाखा एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड की तरफ से शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक से पहले, ई-कॉमर्स और रकम भुगतान के लिए पेरिस के हैसमैन में गैलेरीज लाफायेट के प्रमुख स्टोर में से एक के साथ साझेदारी की है। यह ई-कॉमर्स और सुरक्षित रकम भुगतान सेवा मुंबईया कराने वाली फ्रांसीसी पेमेंट गेटेवे लायरा के साथ साझेदारी के तहत है।

वित्त मंत्री 23 को पेश करेंगी आम बजट

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आम बजट 23 जुलाई को पेश करेंगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा। केंद्रीय मंत्री की ओर से एक्स पर की गई एक पोस्ट में लिखा गया कि भारत सरकार के सुझाव पर आदरणीय राष्ट्रपति जी ने संसद के दोनों सदनों में 22 जुलाई से लेकर 12 अगस्त तक बजट सत्र रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बजट 23 जुलाई, 2024 को लोकसभा में पेश किया जाएगा। बता दें, भारत में जिस वर्ष लोकसभा चुनाव होते हैं। उस दौरान एक बजट चुनाव से पहले और एक बजट चुनाव के बाद पेश किया जाता है। चुनाव के पहले पेश होने वाले बजट को अंतरिम बजट कहा जाता है। ये



संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा

भारत में जिस वर्ष लोकसभा चुनाव होते हैं। उस दौरान एक बजट चुनाव से पहले और एक बजट चुनाव के बाद पेश किया जाता है

संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा

आमतौर पर सरकार की आय और व्यय का लेखा जोखा होता है। चुनाव के बाद नई सरकार पूर्ण बजट पेश करती है। यह अन्य वर्षों के बजट की तरह होता है। 23 जुलाई को आने वाला आम बजट मोदी 3.0 का पहला बजट होगा। इसके जरिए सरकार की दिशा और नीतियों की जानकारी मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)

द्वारा 2.1 लाख करोड़ रुपये का डिजिटेंड किए जाने और कम राजस्व घाटे के चलते सरकार के पास कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च करने के लिए काफी जगह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पहले ही ऐलान किया जा चुका है कि गरीबी के खिलाफ लड़ने के लिए अगले पांच वर्षों काफ़ी अहम होने वाले हैं। ऐसा माना जा रहा है

कि इस बजट में सरकार फोकस देश के विकास की गति को बढ़ाने और अधिक रोजगार पैदा करने को लेकर होगा। मौजूदा समय में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही थी, जो कि चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

लग्जरी घरों की बिक्री बढ़कर कुल सेल्स का 41 प्रतिशत हुई

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के लग्जरी रियल एस्टेट मार्केट में तेजी देखने को मिल रही है। इसकी वजह अर्थव्यवस्था में तेज विकास दर होना है, जिसके कारण देश में लग्जरी घरों की मांग में इजाफा हो रहा है। प्रॉपर्टी कंसल्टेंट फर्म नाइट फ्रैंक की ओर से जारी 'इंडिया रियल एस्टेट: रेजीडेंशियल और ऑफिस (जनवरी-जून 2024)' रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल देश में लग्जरी घरों की बिक्री में बड़ा इजाफा देखने को मिल रहा है। 2024 की छमाही में एक करोड़ रुपये से ऊपर के घरों की बिक्री



कुल बिक्री का 41 प्रतिशत रही है। यह आंकड़ा 2023 की समान अवधि में 30 प्रतिशत था। 2024 की पहली छमाही में देश के आठ बड़े शहरों जिसमें मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद शामिल हैं, वहां घरों की बिक्री में पिछले वर्ष के मुकाबले 11 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है।

एजेंसी। नई दिल्ली

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स और स्टार्टअप्स भारत में नौकरियां पैदा करने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में इन दोनों क्षेत्रों ने साथ मिलकर आठ करोड़ रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय में सचिव सुमिता डावरा की ओर से यह जानकारी राष्ट्रीय राजधानी में कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री और एम्प्लॉयर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक इवेंट में पॉरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के



» श्रम कानूनों का गैर-अपराधीकरण और वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने से व्यापार में हुई आसानी

» 29 श्रम कानूनों को चार श्रम कानूनों में बदला जा चुका है

हवाले से दी गई। उन्होंने आगे कहा कि मंत्रालय द्वारा श्रम कानूनों का गैर-अपराधीकरण और वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के कारण व्यापार में आसानी हुई है।

सामाजिक सुरक्षा और श्रम कल्याण जैसे सुधारों से भारत की वृद्धि दर को और सहारा मिलेगा। डावरा ने आगे बताया कि 29 श्रम कानूनों को चार श्रम कानूनों में बदला जा चुका है।

भारत में ऑपरेशन शुरू करने के लिए 15,000 कंपनियों ने कराया पंजीकरण

एजेंसी। नई दिल्ली

जून महीने में 15,000 से अधिक कंपनियों ने भारत में अपनी यूनिट सेटअप करने के लिए पंजीकरण कराया है। इसमें कई विदेशी कंपनियां भी शामिल हैं, जो कि बड़ी संख्या में इंफ्रास्ट्रक्चर में उपयोग होने वाली मशीनें बनाती हैं। कॉर्पोरेट मामले के मंत्रालय की ओर से संकलित किए गए डेटा से यह जानकारी मिली है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा हाईवे, पोर्ट और रेलवे प्रोजेक्ट में बड़ी मात्रा में निवेश के कारण बड़ी मशीनों की मांग देखने को मिल रही है। साथ ही बताया कि यह भारत के मेक-इन-इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता को भी दिखाता है, जिसके कारण विदेशी कंपनियां भारत में अपने ऑपरेशन शुरू करना चाहती हैं। यूके की



कंपनी ऑर्गर टॉक यूरोप लिमिटेड, उन विदेशी कंपनियों में से एक है, जिन्होंने भारत में ऑपरेशन शुरू करने के लिए पंजीकरण कराया है, जो अर्थ ड्रिल और अटैचमेंट बनाती है और जर्मनी के किंशोफर ग्रुप का हिस्सा है जो ट्रक क्रैन और एक्सीलेटर के लिए अटैचमेंट बनाती है। जापान की टोमो इजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड भी इस लिस्ट में शामिल है, जो कि

मशीनों और केमिकल मैयुफेक्चरिंग करती है। एक अन्य जापानी कंपनी कावाइ इंडस्ट्रीज जो कि केटीआई कावाइ समूह का हिस्सा है, वह भी इस लिस्ट में शामिल है। यह कंपनी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाते और रखरखाव का काम करती है। रूस की हैवी मशीनरी बनाने वाली कंपनी और यूएई के एनर्जी ग्रुप ने भी भारत में ऑपरेशन शुरू करने के लिए पंजीकरण कराया है।

मालदा आम की निर्यात में गिरावट घरेलू बाजार में मिले बेहतर दाम

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले से आम का निर्यात इस साल प्रभावित हुआ है क्योंकि निर्यातकों को विदेशी खरीदारों से लाभकारी दाम नहीं मिल सके।



को बताया कि घरेलू बाजार में आम विक्रेताओं को अच्छे दाम मिल रहे हैं। यूके और यूएई के आयातकों ने शुरू में रुचि दिखाई थी, लेकिन कीमतों पर सहमति न होने के कारण निर्यात नहीं हो

सका। दिल्ली में एक एकसपो में मालदा के करीब 17 टन आम 100 से 150 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच बेचे गए। थोक कीमतों में 50-80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका कारण कम उत्पादन और उच्च गुणवत्ता है। मालदा के बागवानी उद्योगिक संघता लायक ने बताया, इस साल यूके और दुबई के खरीदारों ने हमारी कीमतों पर सहमति नहीं बताई। लायक ने बताया कि इस साल उत्पादन में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए

50% की छूट

❖ आरसीटी

❖ पायरिया का ईलाज

❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज

❖ स्माईल डिजाइन

❖ इनविजिवल क्लिप

❖ दंत रोपण

❖ फिक्स दाँत लगाना

❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

ब्रीफ न्यूज़

पीएम स्टारमर ने गठित की कैबिनेट देश की पहली महिला चांसलर नियुक्त

लंदन। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने अपना नया कैबिनेट नियुक्त कर दिया है। इस कैबिनेट में एंजेला रेनर को डिप्टी पीएम और रैचल रीक्स को देश की पहली महिला चांसलर ऑफ़ द एक्सचेंजर बनाया गया है। स्टारमर के मंत्रिमंडल में 25 सदस्यों की टीम में रिकॉर्ड 11 महिलाएं शामिल हैं। नए कैबिनेट में यवेंट कूपर को गृह मंत्री, डेविड लैमी को विदेश मंत्री और जॉन हीली को रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया है। अन्य नियुक्तियों में शबाना महमूद को न्याय मंत्री, वेस स्ट्रीटिंग को स्वास्थ्य मंत्री, ब्रिजेट फिलिप्स को शिक्षा मंत्री और एड मिलिबैंड को ऊर्जा मंत्री बनाया गया है।

गाजा में युद्ध विराम वार्ता के लिए कतर में टीम भेजेगा इजरायल

यरूशलम। गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए कतर के दोहा में बैठक चल रही है। इजरायल के मोसाद जासूसी एजेंसी के प्रमुख डेविड बार्निया ने मध्यस्थों के साथ दोहा में एक बैठक की। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने घोषणा की है वार्ता जारी रखने के लिए अगले सप्ताह एक टीम फिर से दोहा भेजी जाएगी। इजरायली पीएमओ ने एक बयान में कहा, "इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि दोनों पक्षों के बीच अभी भी मतभेद हैं।

श्री राम सेना को बम से उड़ाने की धमकी की जांच की मांग : जोशी

हुबली, (कर्नाटक)। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने लव जिहाद के पीड़ितों के लिए हेल्पलाइन खोलने पर श्री राम सेना को बम से उड़ाने की धमकी की जांच की मांग की है। शनिवार को हुबली में पत्रकारों से बात करते हुए जोशी ने कहा, श्री राम सेना का फेसबुक आकाउंट बंद करना और बम से उड़ाने की धमकी देना गलत है। हिंसा सही नहीं होती। राज्य सरकार को मामले की जांच करनी चाहिए। इससे पहले मीडिया को संबोधित करते हुए श्री राम सेना के वरिष्ठ नेता गंगाधर कुलकर्णी ने कहा कि 29 मई को हेल्पलाइन खोलकर लव जिहाद के खिलाफ अभियान शुरू करने के बाद बम से उड़ाने और जान से मारने की धमकी दी गई।

पीएम मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में शामिल रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की शनिवार को 123वीं जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत तमाम नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती को भारतीय जनता पार्टी बलिदान दिवस के रूप में मना रही है। इस दिन, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'बलिदान दिवस' के अवसर पर नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक को श्रद्धांजलि अर्पित की और बताया कि कैसे उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र की एकता के लिए समर्पित कर दिया। इसी बीच मोदी आर्काइव नाम के सोशल मीडिया एक्स हैडल से उनकी जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी शेयर की गई है। इसमें बताया गया है कि कैसे पीएम मोदी ने लगातार श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों और भारत को एकजुट करने के उनके प्रयासों का समर्थन किया है। इसके साथ ही इसमें बताया गया कि तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 के लोकसभा चुनाव में रैली उसी स्थान से शुरू की थी, जहां से श्यामा प्रसाद मुखर्जी को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, 5 अगस्त 2019 में मोदी सरकार ने कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाकर उनके सपने को साकार किया।

‘एक भारत-श्रेष्ठ भारत’ के सपने को कैसे किया साकार, सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल

डॉ. मुखर्जी को संविधान सदन में दी गई श्रद्धांजलि

देश आज महान विचारक और प्रखर शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। शनिवार को संविधान सदन (पुरानी संसद) के सेंट्रल हॉल में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजजू, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पार्टी के अन्य नेताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्र के लिए प्राणों का बलिदान देने वाले माँ भारती के महान सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को आज 123वीं जयंती है।

नट्टू ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित की :

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नट्टू ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर आज पार्टी मुख्यालय में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। नट्टू ने एक्स पर कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलकर राष्ट्र के वैभव और सम्पन्नता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि कश्मीर हो या बंगाल, देश अखंडता के लिए उनके बलिदान को कृतज्ञ राष्ट्र कभी नहीं भूलगा। आज उनकी जयंती पर शत-शत नमन करता हूँ।

भाजपा के लोगों ने हमारा ऑफिस तोड़ा हम इनकी सरकार तोड़ेंगे : राहुल गांधी

एजेंसी

अहमदाबाद । अहमदाबाद के पालडी स्थित राजीव गांधी भवन में शनिवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पार्टी का कार्य क तार ों में जमकर जोश भरा। उन्हें गुजरात में भाजपा को हराने के लिए अभी से कमर कस लेने को कहा।

राममंदिर, अभय मुद्रा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिक्र कर उन्होंने भाजपा को चारों ओर से घेरने का प्रयास किया। राहुल गांधी कांग्रेस कार्यालय पर पथराव और पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में गुजरात दौरे पर हैं। गुजरात में हुए विभिन्न हादसों के पीड़ित परिवारजनों से भी मिलने का उनका कार्यक्रम है। राहुल गांधी ने गुजरात कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि गुजरात में कांग्रेस जीतेगी। भाजपा ने उनका ऑफिस तोड़ा है, हम इनकी सरकार तोड़ेंगे। राहुल गांधी ने अयोध्या में भाजपा की हार का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा अयोध्या में इसलिए हारी क्योंकि भाजपा ने अयोध्या में जिन लोगों की जमीनें लीं, उन्हें राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में जगह नहीं मिली। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ता अयोध्या में बम्बर शेर की तरह इंडिया गठबंधन के लिए खड़े रहे और वहां पर भाजपा हार गई। राहुल गांधी ने गुजरात के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा आप लोगों ने बहुत लाटियां खा ली हैं, अब उन्हें हटाना है।

राष्ट्रपति मुर्मू आज से नौ जुलाई तक ओडिशा के दौरे पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज से नौ जुलाई तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने पांच जुलाई को उनके ओडिशा दौरे के कार्यक्रम की जानकारी विज्ञप्ति में साझा की थी। पीआईबी के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू छह जुलाई को भुवनेश्वर में उत्कलमणि पंडित गोपबन्धु दास की 96वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में शामिल होंगी।

कुलगाम मुठभेड़ में सेना का एक जवान बलिदान, अभियान जारी

एजेंसी

कुलगाम । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के मोदरगाम गांव में शनिवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच जारी मुठभेड़ में सेना का एक जवान बलिदान हो गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों द्वारा की गई शुरूआती गोलीबारी में ही जवान घायल हो गया। घायल जवान को पास के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर वह उपचार के दौरान वीरगति को प्राप्त हो गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, सेना की 9 आरआर और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि जैसे ही सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी तो मौके पर छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी।

एजुकेशन/करियर

रजनीश । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अर्थ है- बनावटी (कृत्रिम) तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक जॉन मैकार्थी के अनुसार ‘यह बुद्धिमान मशीनों, विशेष रूप से बुद्धिमान कंप्यूटर प्रोग्राम को बनाने का विज्ञान और इंजीनियरिंग है’। सामान्य शब्दों में यह मशीनों द्वारा प्रदर्शित की गई इंटेलिजेंस है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंप्यूटर साइंस का एक सब-डिवीजन है और इसकी जड़ें पूरी तरह से कंप्यूटिंग सिस्टम पर आधारित हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उद्देश्य ऐसे उपकरणों का निर्माण करना है जो इंटेलिजेंस से और स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें और मानव श्रम और मैनुअल काम को कम कर सकें। यहां कुछ प्रमुख विषय दिए गए हैं जिनसे आप AI कोर्स में पढ़ेंगे...

संभावनाओं से भरी है एआई की फील्ड, अवसर अपार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स प्रदान करने वाली दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटीज़ की लिस्ट

► मेसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी

► कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी

► रवीसलैंड यूनिवर्सिटी

► मिशिगन यूनिवर्सिटी

► लीड्स यूनिवर्सिटी

► वाटरलू यूनिवर्सिटी

► लंदन की रवीन मैरी यूनिवर्सिटी

► टॉरेंस यूनिवर्सिटी

► नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स के उदाहरण भी जानिए

► इंटेलिजेंट रोबोट

► कम्प्यूटर गेमिंग

► भाषा पहचान

► विशेषज्ञ सिस्टम

► प्राकृतिक भाषा प्रोसेसिंग

► विज्ञान सिस्टम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स प्रदान करने वाली भारत की टॉप यूनिवर्सिटीज़ के नाम

► सभी IIT

► आंध्र यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापत्तनम

► एनआईटी सुरथकल : नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कर्नाटक

► इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स इंडिया, कोलकाता

► सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर

► वेल्स विश्वविद्यालय : वेल्स इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज़

► श्रीनिवास इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैंगलोर

► शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुरी

► इंडियन मैरीटाइम यूनिवर्सिटी, चेन्नई

► पार्क कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर

► समुंद्रा इंस्टिट्यूट ऑफ मैरीटाइम स्टडीज़, पुणे

► जीकेएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई

भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया, इस प्रकार है

► सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें।

► यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा।

► फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं।

► अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें।

► इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

► यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसिलिंग की प्रतीक्षा करें।

► प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तहत जॉब प्रोफाइल्स

► मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग

► एनालिस्ट

► स्टैटिस्टिक्स साइंटिस्ट

► सॉफ्टवेयर एनालिस्ट और डेवलपर्स

► रोबोटिक्स साइंटिस्ट

► इंजीनियरिंग सलाहकार

► बिजनेस इंटेलिजेंस डेवलपर

► सॉर्जिकल तकनीशियन

► एल्गोरिथम

► कंप्यूटर साइंटिस्ट

